बरेली, शुक्रवार
13 जून, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=22

दैनिक जागरण

PAGE NO,IV, MIDDLE

फैटी लिवर वाले 70 फीसदी रोगी मोटापे से ग्रस्त

जासं, बरेली: फैटी लिवर तेजी से बढ़ती हुई वैश्विक महामारी है। शुरुआत में लक्षण स्पष्ट न होने से लिवर के खराब होने की जानकारी नहीं हो पाती। दूसरे या तीसरे चरण में पहुंचने पर फैटी लिवर के लक्षण महसूस होते हैं, तभी इसके बारे में पता चलता है। इससे पीड़ित 70 फीसद रोगी मोटापे से ग्रस्त मिलते हैं। 75 फीसद को टाइप-टू डायबिटीज और 20 से 80 फीसदी में हाइपरलिपिडिमिया से ग्रसित होते हैं। अनियंत्रित होने पर फैटी लिवर लिवर सिरोसिस से लेकर लिवर कैंसर तक की वजह बन सकता है। आरंभिक चरणों में समस्या का निदान संभव है। यह बातें एसआरएमएस मेडिकल कालेज में विश्व फैटी लिवर दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कहीं।

गैस्ट्रोएंटरोलाजी यूनिट की ओर से "विश्व फैटी लिवर दिवस" पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें सुबह मरीजों के लिए स्वास्थ्य जांच और परामर्श शिविर लगाया गया। वहीं, शाम को एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक व्याख्यान हुए। विशेषज्ञों ने सक्रिय जीवन शैली के साथ नियमित एक्सरसाइज अपनाने की भी सलाह दी। शाम को फैटी लिवर और इसका प्रबंधन विषय पर शैक्षणिक व्याख्यान हुआ। व्याख्यान की थीम खत्म ही दवा है पर गैस्ट्रोएंटरोलाजिस्ट डा. वत्स गुप्ता ने दिल, डायबिटीज और अन्य गंभीर बीमारियों पर फैटी लिवर के दुष्प्रभावों के बारे में बताया। एंडोक्रिनोलाजिस्ट डा. श्रुति शर्मा, रेडियोलाजिस्ट डा. नीरज प्रजापति, गैस्ट्रोएंटरोलाजिस्ट डा. शिवम गुप्ता ने विचार प्रस्तुत किए।

विश्व फैटी लीवर दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आयोजित कार्यक्रम मौजूद डाक्टर व सदस्य ● सौ. संस्थान